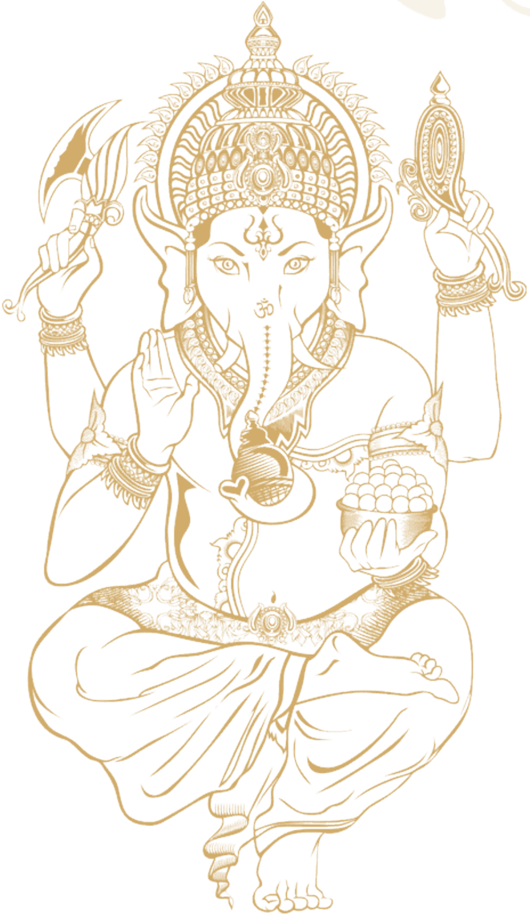

KARAN MISHRA

18 Feb 2004

02:15 AM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121269403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/02/2004**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	47:46:03 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:36:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:05 घंटे
साम्पातिक काल	11:25:02 घंटे
सूर्योदय	07:08:34 घंटे
सूर्यास्त	18:37:08 घंटे
दिनमान	11:28:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:36:46 कुम्भ
लग्न के अंश	19:33:00 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	19:33:00	319:33:54	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	04:36:46	01:00:35	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	01:29:44	14:19:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	15:17:37	00:38:22	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	मक	22:56:35	01:39:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		सिंह	22:00:11	00:07:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	16:51:13	01:09:44	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:42:08	00:02:04	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	20:41:51	00:09:32	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:41:51	00:09:32	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:37:48	00:03:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:32:19	00:02:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:58:53	00:01:10	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			सिंह	26:34:21	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:43

लग्न-चलित

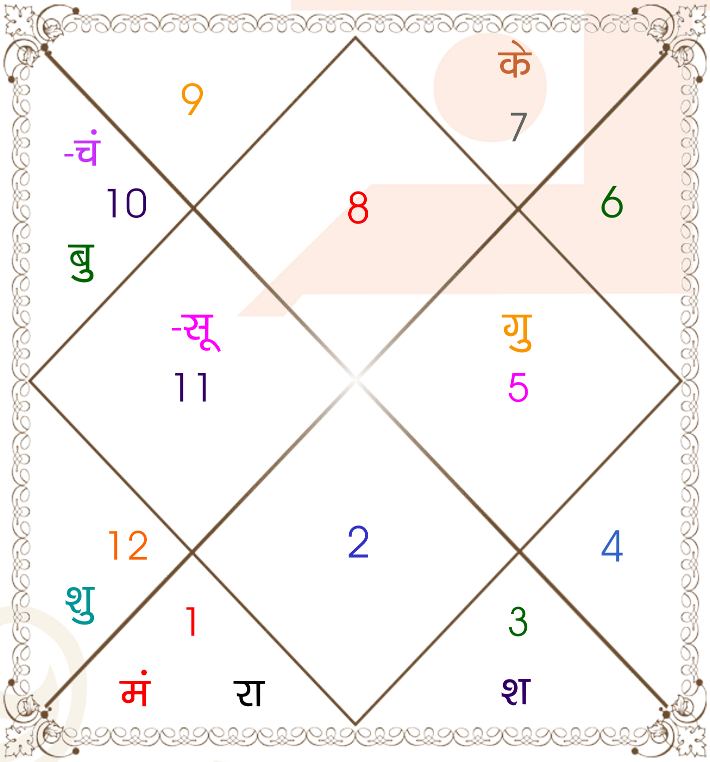

चन्द्र कुंडली

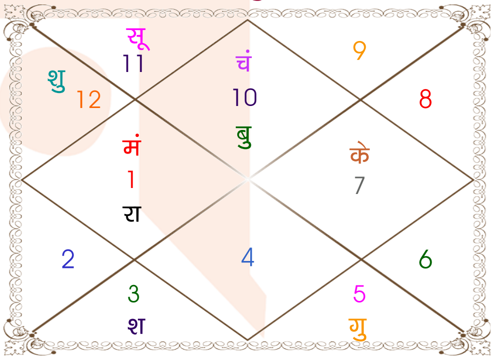

नवमांश कुंडली

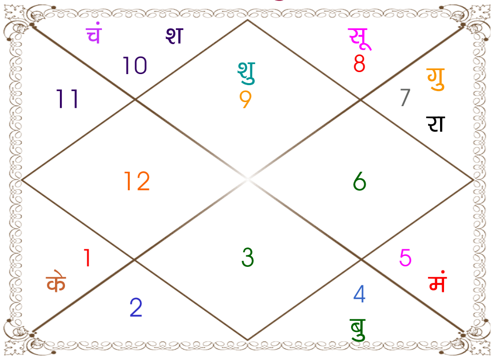

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 28 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/02/2004		**16/12/2007**		**16/12/2017**		**16/12/2024**		**16/12/2042**	
16/12/2007		**16/12/2017**		**16/12/2024**		**16/12/2042**		**16/12/2058**	
	00/00/0000	चंद्र	16/10/2008	मंगल	14/05/2018	राहु	29/08/2027	गुरु	02/02/2045
	00/00/0000	मंगल	17/05/2009	राहु	02/06/2019	गुरु	21/01/2030	शनि	17/08/2047
	00/00/0000	राहु	16/11/2010	गुरु	07/05/2020	शनि	27/11/2032	बुध	22/11/2049
	18/02/2004	गुरु	17/03/2012	शनि	16/06/2021	बुध	17/06/2035	केतु	28/10/2050
गुरु	22/10/2004	शनि	16/10/2013	बुध	13/06/2022	केतु	04/07/2036	शुक्र	28/06/2053
शनि	04/10/2005	बुध	17/03/2015	केतु	10/11/2022	शुक्र	05/07/2039	सूर्य	17/04/2054
बुध	10/08/2006	केतु	17/10/2015	शुक्र	10/01/2024	सूर्य	29/05/2040	चंद्र	17/08/2055
केतु	16/12/2006	शुक्र	16/06/2017	सूर्य	17/05/2024	चंद्र	28/11/2041	मंगल	23/07/2056
शुक्र	16/12/2007	सूर्य	16/12/2017	चंद्र	16/12/2024	मंगल	16/12/2042	राहु	16/12/2058

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/12/2058		**16/12/2077**		**16/12/2094**		**17/12/2101**		**17/12/2121**	
16/12/2077		**16/12/2094**		**17/12/2101**		**17/12/2121**		**00/00/0000**	
शनि	19/12/2061	बुध	14/05/2080	केतु	14/05/2095	शुक्र	17/04/2105	सूर्य	05/04/2122
बुध	28/08/2064	केतु	11/05/2081	शुक्र	13/07/2096	सूर्य	18/04/2106	चंद्र	05/10/2122
केतु	07/10/2065	शुक्र	11/03/2084	सूर्य	18/11/2096	चंद्र	17/12/2107	मंगल	10/02/2123
शुक्र	07/12/2068	सूर्य	15/01/2085	चंद्र	19/06/2097	मंगल	16/02/2109	राहु	05/01/2124
सूर्य	19/11/2069	चंद्र	17/06/2086	मंगल	15/11/2097	राहु	16/02/2112	गुरु	19/02/2124
चंद्र	20/06/2071	मंगल	14/06/2087	राहु	04/12/2098	गुरु	17/10/2114		00/00/0000
मंगल	29/07/2072	राहु	31/12/2089	गुरु	10/11/2099	शनि	17/12/2117		00/00/0000
राहु	05/06/2075	गुरु	07/04/2092	शनि	20/12/2100	बुध	17/10/2120		00/00/0000
गुरु	16/12/2077	शनि	16/12/2094	बुध	17/12/2101	केतु	17/12/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।